AH-1040 CV-19-S

B.A. (Part-II)

Term End Examination, 2019-20

Paper-I

Sanskrit Literature

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 75

नोट :सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

(अ) निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं दो की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए– 20

क. तिष्ठन् भाति पितुः पुरोभुवियथा, सिंहासने किं तथा,
यत् संवाहयतः सुखं तु चरणौ, तातस्य किं राजके।
किं भुक्ते भुवनत्रये धृतिरसौ, भुक्तोज्झिते या गुरौः,
आयासः खलुराज्यमुज्झित गुरोस्तत्रास्ति कश्चिद्गुणः।।

ख. मधुरमिव वदन्ति स्वागतं भृङ्गशब्दैः,
नतिमिव फलनम्रैः कुर्वतंऽमी शिरोभिः।
मम वदत इवार्घ्यं पुष्पवृष्टी किरन्तः,
कथमतिथिसपर्या शिक्षिता शाखिनोऽपि।।

ग. जायन्ते च मृयन्ते च मादृशाः क्षुत्रजन्तवः।
परार्थे बद्धकक्ष्ययाणं त्वादृशामुद्भवः कुत?।।

घ. शिरामुखै स्यन्दत एव स्तकमद्यापि देहे मम मांसमस्ति।
वृप्तिन पश्यामि तवापि तावत्, किं भक्षणात् त्वंविरतो गरूत्मन्।।

1. (ब) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए– 10

1. वन्द्याः खलुदेवताः
2. विदूषकः
3. सभागमोहिभकति पुण्यवताम्
4. सूत्रधारः

2. मलयवती का चरित्र–चित्रण कीजिए। 10

अथवा

नाटकीय तत्वों के आधार पर नागानन्द की समीक्षा कीजिए।

3. कर्त्तवाच्य एवं कर्मवाच्य में अंतर स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा

सूत्रनिर्देशपूर्वक किन्हीं दो प्रयोगों को सिद्ध कीजिए।

1. निविशते
2. पराजयते
3. परिमृष्यति
4. भूयते

4. अव्ययी भाव समास तथा द्वन्द समास को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

सूत्रनिर्देशपूर्वक किन्हीं तीन प्रयोगों को सिद्ध कीजिए।

1. उपकृष्णम्
2. शंकुलाखण्डः
3. चोरभयम्
4. पीताम्बरः
5. हरिहरौ
6. शिवकेशवौ

5. अधोलिखित में से किन्हीं पांच पदों को लेकर वाक्य रचना संस्कृत में कीजिए। 10

1. त्वया
2. वृक्षात्
3. क्रियते
4. द्रक्ष्यति
5. वयं
6. प्रतियोगिता
7. मोदकं
8. नृत्यं
9. क्रीडामः
10. गच्छतः